केंद्रीय विद्यालय पालमपुर (हि . प्र .)

न्यूनतम साझा कार्यक्रम ई–पत्रिका – 2020-21

प्राचार्य का संदेश

कोरोना वायरस के चलते वैकल्पिक तौर पर आनलाइन शिक्षा आज एक ज़रूरत बन गई है |अर्थव्यवस्था और सामजिक जीवन के अलावा कोरोना वायरस ने जिस चीज को सर्वाधिक प्रभावित किया है वह है शिक्षा व्यवस्था और पठन - पाठन |केन्द्रीय विद्यालय पालमपुर ने भी बच्चों की शैक्षणिक गतिविधि को सुचारू रूप से चलाने हेतु गूगल क्लासरूम , यूट्यूब, व्हाटसैप , गूगल मीट इत्यादि जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आनलाइन शिक्षण का विकल्प अपनाया है परन्तु छात्र जीवन में पाठ्य सहगामी क्रियाओं का महत्त्व समझते हुए इन क्रियाओं को पठन-पाठन के साथ जोड़ना भी अति आवश्यक है | बच्चों को इन क्रियाओं से दूर करना बहुत गलत होगा |

केंद्रीय विद्यालय पालमपुर की यह समाचार पत्रिका प्राथमिक शिक्षा के प्रति उस दृष्टिकोण का सार है जो छात्रों के साथ नए संचार के द्वार खोलने पर आधारित है | हमारा विद्यालय बच्चों के समग्र व्यक्तित्व विकास को सुनिश्चित करता है | शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा समय –समय पर विभिन्न सह पाठयक्रम गतिविधियों का आयोजन किया गया जिन से बच्चों में विभिन मूल्यों का विकास हो सके | पाठ्य सहगामी क्रियाएँ छात्र जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं और इन्हीं के माध्यम से छात्र अपनी प्रतिभा को सभी के सामने ला पाते हैं | इस ई-पत्रिका रूपी बगीचे का हर फूल रूपी पन्ना विभिन विद्यालय गतिविधियों को अपनी महक के साथ संजोय हुआ है | यह पत्रिका सुनिश्चित करती है हमारे मुख्यध्यापक और प्राथमिक विभाग के कर्मठी शिक्षकों के ईमानदारी और लगन से किये प्रयासों को जो उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किए| इस पत्रिका को बच्चों को सौंपते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है | मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे विद्यालय के छात्र एवं छात्राएँ अपनी विभिन्न शैक्षणिक एवं गैर- शैक्षणिक उपलब्धियों द्वारा विद्यालय की महिमा को और भी आलौकिक करेंगे|

मुख्य अध्यापक का संदेश

न्यूनतम साझा कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक विभाग की ई -पत्रिका प्रस्तुत करना मेरे लिए गर्व का विषय है। बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक है, उनका शारीरिक, मानसिक, सामजिक और भावात्मक विकास का भी ध्यान रखना | पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के विषयों के शिक्षण में केवल छात्रों के ज्ञानात्मक पक्ष का ही विकास अधिक होता है लेकिन भावात्मक और क्रियात्मक पक्षों के विकास के लिए पाठ्य सहगामी क्रियाओं का सहारा लेना अति आवश्यक है | पाठ्य सहगामी क्रियाओं को पाठ्य क्रम में उचित स्थान देना बहुत ज़रूरी है | केंद्रीय विद्यालय में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का समय-समय पर आयोजन किया जाता रहा है ताकि बच्चों में सीखने की क्षमता का विकास किया जा सके |

इस कोरोना काल में जब सभी बच्चे अपने अपने घरों के भीतर बंद हो चुके हैं , यह अति आवश्यक है कि बच्चों की मानसिकता और दिनचर्या को खुशी भरा एवं तनाव रहित बनाया जा सके। इस के लिए प्राचार्य महोदय के मार्गदर्शन से अध्यापक सदस्यों के द्वारा बच्चों को विभिन्न सहगामी क्रियाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता रहा ताकि घर के अन्दर सुरक्षित रहते हुए भी बच्चों का संपूर्ण विकास सुनिश्चित किया जा सके ।

पहली तिमाही रिपोर्ट

केंद्रीय विद्यालय पालमपुर में हुई विभिन्न गतिविधियों की झलकियाँ

विश्व पृथ्वी दिवस

22 अप्रैल, 2020 को विद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। प्राथमिक विभाग के बच्चों को चित्रकला करने के लिए प्रेरित किया गया । बच्चों ने घर में रहते हुए पृथ्वी और पर्यावरण विषय पर सुन्दर –सुन्दर कलाकृतियाँ बनाईं और अपने अपने कक्षा अध्यापकों को भेजीं | इस प्रयास से बच्चों को पृथ्वी और पर्यावरण के प्रति जागरुक किया गया ।

दिव्याँश (तीसरी 'अ')

ज्वाला (दूसरी 'ब')

नव्या राणा (चौथी 'अ')

सूर्यांश ठाकुर (दूसरी 'ब')

ध्रुती (चौथी 'ब')

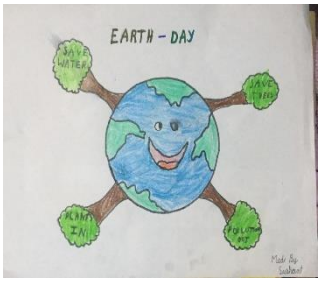

सुशांत (चौथी 'ब')

सुनैना (चौथी'ब')

नमन गुप्ता (चौथी 'ब')

अनव कौंडल (दूसरी 'ब')

विश्व पर्यावरण दिवस

केंद्रीय विद्यालय पालमपुर ने 5 जून , 2020 को पर्यावरण दिवस मनाया | जिसमें प्राचार्य और शिक्षकों द्वारा बच्चों को प्रेरित किया गया कि वे एक –एक पेड़ लगाएँ और उसकी देख भाल करें | पर्यावरण को हरा भरा बनाने में अपना योगदान दें | बच्चों ने अपने माता –पिता की सहायता से पौधा रोपण किए और चित्र अपने कक्षा अध्यापकों को भेजे | प्राथमिक विभाग के बच्चों ने भी इस दिवस के महत्त्व को समझते हुए चित्रकला का प्रदर्शन भी किया ।

प्रतिष्ठा कपूर (पाँचवी 'अ')

दिया पी . (पाँचवी 'अ')

गौरवी (तीसरी 'ब')

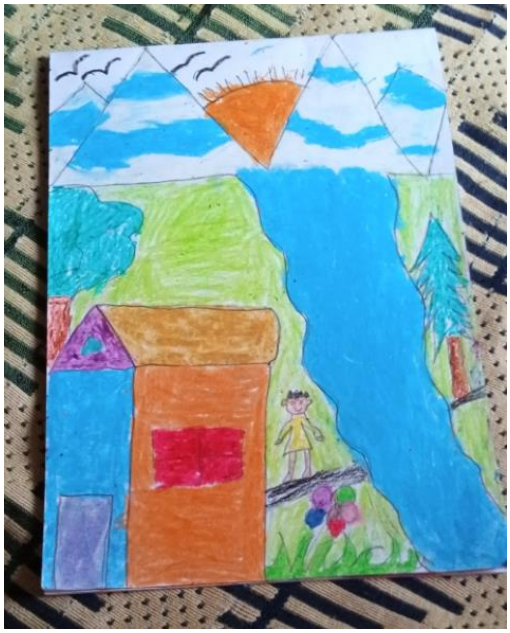

सक्षम (दूसरी 'ब')

भूपेश राणा (तीसरी 'अ')

अनिल कुमार (तीसरी 'ब')

राष्ट्रीय पठन सप्ताह

पी. एन. पानीकर जिन्हें केरल में पुस्तकालय आन्दोलन का पिता कहा जाता है| उनकी पुन्य तिथि 19 जून को देश भर में 'रीडिंग डे' मनाया जाता है | केन्द्रीय विद्यालय पालमपुर ने 19 जून , 2020 से 26 जून, 2020 तक पठन सप्ताह मनाया | बच्चों ने पठन के विडीओ बनाकर कक्षा अध्यापक को भेजे | पुस्तकालय शिक्षिका श्रीमती पुष्पा ठाकुर द्वारा प्राथमिक विभाग के बच्चों को भी कहानी की पुस्तकों के लिंक भेजे गए |

https://lib176061.wordpress.com/hindi-stories/

https://lib176061.wordpress.com/audible-stories-for-students/

HTTPS://DRIVE.GOOGLE.COM/FILE/D/16EY-5V9GM6ZZ_HHNLSDHHDQBZXPJXKGY/VIEW?USP=SHARING आसमां (तीसरी 'ब') रीडिंग डे

HTTPS://DRIVE.GOOGLE.COM/FILE/D/12VRQNUPRJIF9XSBL2KPGXD9IWMIBSUON/VIEW?USP=SHARING अनमोल (चौथी 'अ ') रीडिंग डे

HTTPS://DRIVE.GOOGLE.COM/FILE/D/1PENYTNHEV5MLN0LXFGVVJUL94LL0WLT-/VIEW?USP=SHARING काव्या (दूसरी 'अ ') हिंदी कविता पाठ

HTTPS://DRIVE.GOOGLE.COM/FILE/D/1H1UL7BCTKVZGGUL_V40UMMSVPUDBBDRX/VIEW?USP=SHARING काव्या (दूसरी 'अ ') अंग्रेजी कविता पाठ

HTTPS://DRIVE.GOOGLE.COM/FILE/D/1DOCWCFQMNTABHV5FTEE9FAVOLPJD08DM/VIEW?USP=SHARING आसमां (तीसरी 'ब') रीडिंग डे

अन्तराष्ट्रीय योग दिवस

विद्यालय में अन्तराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2020 को पूरे जोश और जज़्बे के साथ आयोजित किया गया। छात्रों के साथ–साथ प्राचार्य एवं शिक्षकों ने भी अपने -अपने घर में रहते हुए इसमें भाग लिया ।शारीरिक शिक्षा अध्यापक श्री विजय भट्ट एवं सभी कक्षा अध्यापकों द्वारा बच्चों को घर में रहकर ही अन्तराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की प्रेरणा दी गई | सभी प्राथमिक बच्चों ने भी इसमें भाग लिया और पूरे जोश और उत्साह के साथ विभिन्न प्राणायाम और योग अभ्यास किए | बच्चों के अभिभावकों ने भी इसमें भाग लिया और चित्र खींचकर भेजे |इस अवसर पर बच्चों ने चित्रकला द्वारा भी अपनी प्रतिभा को दर्शाया |

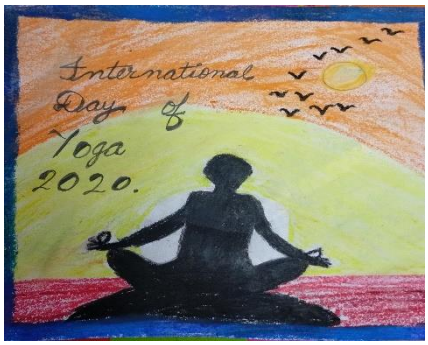

समीर आनंद (चौथी 'अ')

अनुज त्रिपाठी (दूसरी 'ब')

अनमोल (चौथी 'अ')

आदित्य सूद (चौथी 'अ')

आर्निक (दूसरी 'ब')

प्रियम मौन्डल (तीसरी 'अ')

पुरुषार्थ (दूसरी 'अ')

योगिता (चौथी 'अ')

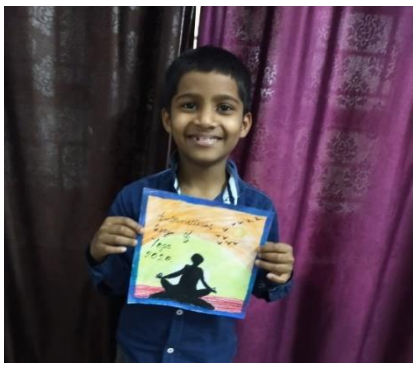

समीर आनंद (चौथी 'अ')

कृतिका (दूसरी 'ब')

रोहन कुंवर (तीसरी 'अ')

भूपेश राणा (तीसरी 'अ')

अनुराग (तीसरी 'अ')

धीमंत सोहल (तीसरी 'अ')

रोहन कुंवर (तीसरी 'अ')

प्रथम कौंडल (तीसरी 'ब')

दिया पी. (पाँचवी 'अ')

गीतिका (पाँचवी 'अ')

धीमंत सोहल (तीसरी 'अ')

HTTPS://DRIVE.GOOGLE.COM/FILE/D/122EYZDJJHS8Q8EPYD2GOBNF4WXHYI4BG/VIEW?USP=SHARING अनमोल (चौथी 'अ ') योग दिवस

HTTPS://DRIVE.GOOGLE.COM/FILE/D/126SVH9P7SMRYJVQEHDS9FE018DTAXV7K/VIEW?USP=SHARING आराध्या (दूसरी 'अ ') योग दिवस

HTTPS://DRIVE.GOOGLE.COM/FILE/D/1AF2YQUVR1MEGWNPESA5G6FF9GYX-NSCM/VIEW?USP=SHARING समर्थ (दूसरी 'अ ') योग दिवस

कक्षा कक्ष रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र के जीवन में कला का विशेष महत्त्व है| कला छात्र जीवन में आनंद का भाव प्रदान करती है |प्रत्येक बच्चे के मन में कुछ स्वतंत्र भाव उत्पन्न होते हैं | उन भावों को प्रकट करने के लिए कला ही सबसे अच्छा माध्यम होता है | बच्चों की इस प्रवृत्ति को विकसित करने के लिए पाठ्य क्रिया के साथ –साथ रचनात्मक और कलात्मक क्रियाओं को भी सम्मिलित किया गया | इन गतिविधिओं से प्राथमिक कक्षाओं में अधिगम को आसान व प्रभावी बनाया गया | HTTPS://DRIVE.GOOGLE.COM/FILE/D/13YDGY0FTRM95-GZERLR66I5ZFRHBWQZG/VIEW?USP=SHARING

अध्यापिका द्वारा बच्चों को 'Fun with colour' क्रियाकलाप समझाते हुए |

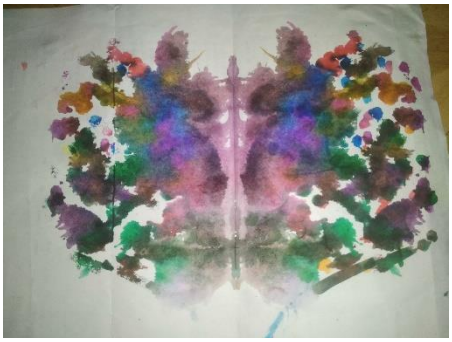

दृष्टि कपूर (तीसरी 'ब')

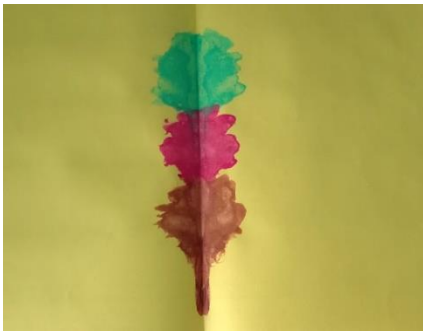

आसमां (तीसरी 'ब')

प्रांजल (तीसरी 'ब')

सक्षम (दूसरी 'ब')

निहारिका गिल (तीसरी 'ब')

कागज़ का पेड़ - सक्षम (दूसरी 'ब')

बाँस का पुल -अर्नव कपूर (चौथी 'अ')

पपेट बनाना

पठन-पाठन के साथ –साथ श्रीमती मंजु सिंह प्राथमिक शिक्षिका द्वारा बच्चों को पपेट (कठपुतली) बनाना बताया गया और उन्हें पपेट बनाने के लिए प्रेरित किया गया और बच्चों ने तरह –तरह के सुन्दर-सुन्दर पपेट बनाए |

भूपेश राणा (तीसरी 'अ')

दिव्याँश (तीसरी 'अ')

प्रियांशु चौहान (तीसरी 'अ')

दक्ष आशीष विमल (तीसरी 'अ')

फुंदे आर्यन सचिन (तीसरी 'ब')